पाठ – 3 खिलौनेवाला

प्रश्नों के उत्तर :–

प्र० 2. उत्तर दिए गए हैं :–

1. खिलौनेवाला हरा–हरा तोता , गेंद , छोटी–सी मोटर गाड़ी , सीटी चाभी वाली रेल और गुड़िया आदि खिलौने बेच रहा था ।

2. मुन्नू ने गुड़िया ले ली और मोहन ने मोटर गाड़ी ली है ।

3. सरला साड़ी के लिए मचल रही है ।

4. माँ ने बालक को चार पैसे दिए हैं ।

5. बालक तलवार या तीर–कमान खरीदना चाहता है ।

प्र० 3. उत्तर दिए गए हैं :–

मिठाईवाला , पानवाला , दूधवाला , चूड़ीवाला , सब्ज़ीवाला , कपड़ेवाला ।

किताब के अभ्यास के प्रश्नोत्तर :–

कविता और तुम

प्रश्न 1. तुम्हे किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे-

(क) अक्सर तुम किस तरह के बातों पर रूठती हो?

उत्तर- जब हमे कोई डांट देता है या हमारी मनपसंद वस्तु नहीं देता तो हम रूठ जाते हैं|

(ख) माँ के अलावा घर में और कौन – कौन है जो तुम्हे मानते हैं?

उत्तर- घर में माँ के आलावा पिताजी, दादाजी-दादीजी और बड़े भाई-बहन हमें मना लेते हैं|

प्रश्न 3. तुमने रामलीला के जरिए या फिर किसी कहानी के जरिए रामचंद्र के बारे में जाना-समझा होगा| तुम्हे उनकी कोन-सी बातें अच्छी लगीं?

उत्तर- श्रीरामचंद्र एक आज्ञाकारी पुत्र तथा मर्यादा पुरुषोत्तम राजा थे| तो वह हमे बहुत अच्छे लगे और उनके गुण हमे प्रभावित करते हैं|

प्रश्न 4. नीच दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छांटो-

(क) खिलौने वाला साड़ी नहीं बेचता है|

उत्तर – कभी खिलौने वाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है|
(ख) खिलौने वाला बच्चोंको खिलौने लेने के लिए आवाजें लगा रहा है|
उत्तर – जोर-जोर वह रहा पुकार|
(ग) मुझे कौन – सा खिलौना लेना चाहिए – उसमें माँ की सलाह चाहिए|
उत्तर – कौन खिलौना लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार|
(घ) माँ के बिना कौन – मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा?
उत्तर – तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में

कविता में कथा
प्रश्न- इस कविता में तीन नाम-
राम, कौशल्या और तड़का आए हैं|
(क) ये तीनो नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?
उत्तर- यह तीनों नाम रामायण की प्रसिद्ध कथा के पात्र है|

(ख) यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा | इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?
उत्तर- बच्चा अपनी मां के पास ही रहना चाहता है जबकि श्री रामचंद्र अपनी मां से दूर चले गए थे|

(ग) इस कथा के कुछ संदर्भो की बात कविता में हुई है | अपने आस – पास पूछकर इनका पता लगाओ|
***तपसी यज्ञ करेंगे , असुरों को मैं मार भगाऊगा|**
***तुम कह दोगी वन जाने को हँसते -हँसते जाऊगा|**
उत्तर- श्री रामचंद्र ने ऋषि-मुनियों की तपस्या सफल कराने के लिए राक्षसों का वध किया था|
श्री रामचंद्र अपने माता – पिता के कहने पर खुशी -खुशी 14 वर्ष के वनवास पर चले गए थे|

**** Complete everything in your Hindi (Lit) class work copy with neat and clean hand writing.**